अबुझमाड़ के पदमकोट में आई टी बी पी का नया कैंप स्थापित

कोण्डागांव 30 मार्च, (दण्डकारण्य समाचार)। सामरिक क्षेत्रीय मुख्यामलय (भुवनेश्वश्वर), आईटीबीपी, कोंडागांव (छ.ग.) के नियंत्रणाधीन सभी वाहिनियां जिला नारायणपुर, छत्ती सगढ़ में नक्सलियों का गढ़ कहे जाने वाले इलाके अबूझमाड़ में मजबूती के साथ अपने कदम बढ़ा रही हैं। डी.आई.जी. राणा युद्धवीर सिंहअबूझमाड़ के दूरस्थ व खतरनाक इलाकों में आईटीबीपी द्वारा स्था.पित किए जा रहे नए कैंपों के दौरान सभी ऑपरेशनों को फ्रंट से लीड कर रहे हैं और जवानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं। इसी कडी में 41वीं वाहिनी, आईटीबीपी, कोंडागांव द्वारा अबूझमाड़ इलाके में हाल ही में खोले गए कैंप बेडमाकोटी से लगभग 5 किमी. और आगे पदमकोट में नया कैंप स्थामपित किया है। पदमकोट का यह इलाका घने जंगलों से घिरा है तथा सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यहां पर आईटीबीपी कैंप स्थापित होने से स्थानीय जनता में खुशी की लहर है और वे स्वयं को सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। आईटीबीपी की उपस्थिति से यहां नक्सलियों का वर्चस्व कम होगा और उनके नापाक इरादों पर भी लगाम लगेगी।

डी.आई.जी. राणा युद्धवीर सिंह ने बताया कि आईटीबीपी के पदमकोटी कैंप में स्थानीय आबादी के लिए चिकित्सा सुविधा के साथ-साथ अन्य जन सुविधाएं भी मुहैया करवाई जाएंगी और कहा कि ऐसे ऑपरेशनों में हमें हमारे सेंट्रल फ्रंटियर मुख्यालय के आई.जी. ओ.पी. यादव का निरंतर मार्गदर्शन मिलता रहा है। उन्होंने नरेंद्र सिंह, सेनानी और उनकी 41वीं वाहिनी की टीम को कम समय में नई सी.ओ.बी. पदमकोट खोलने के लिए शाबाशी दी और सुन्दरराज पी., पुलिस महानिरीक्षक, बस्तर रैंज, अमित कामले, डी.आई.जी., काकेर रेंज, प्रभात कुमार, पुलिस अधीक्षक, नारायणपुर, डी.आर.जी. व छत्तीसगढ़ पुलिस की टीमों के सक्रिय सहयोग के लिए उनका शुक्रिया अदा किया। अमित भाटी, सेनानी 53वीं वाहिनी और राजीव गुप्ता, सेनानी 45वीं वाहिनी भी इस मौके पर मौजूद रहे।

माओवाद प्रभावित क्षेत्र लखापाल और चिंतलनार में लगा आधार पंजीयन शिविर

नवीन आधार पंजीयन 114, आधार अपडेशन 79, नवीन आयुष्मान कार्ड 93 और 12 परिवारों के राशन कार्ड बनाने आदेश पत्र जारी

सुकमा, 30 मार्च (दण्डकारण्य समाचार)। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन तथा ज़िला सीईओ श्रीमती नम्रता जैन के मार्गदर्शन में जिले के माओवाद प्रभावित अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार आधार कार्ड पंजीयन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिला मुख्यालय सुकमा के लखापाल सीआरपीएफ कैम्प में 16 मार्च से 19 मार्च तक और चिंतलनार में 20 मार्च से 22 मार्च तक शिविर का आयोजन किया गया।

कोंटा विकासखंड के अंतर्गत माओवाद प्रभावित अंदरूनी गांवों में शिविर लगाकर ग्रामीणों के आधार कार्ड बनाए जा रहे हैं ताकि ग्रामीणों को शासन की योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ मिल सके। कुछ समय पहले तक जहां लोगों में दहशत का माहौल था वहाँ अब प्रशासन ग्रामवासियों के लिए हर संभव मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है।

कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने कहा कि कोंटा विकासखंड के दूरस्थ अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार आधार पंजीयन शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसमें प्रतिदिन ग्रामीणों के नए आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड और राशन कार्ड बनाये जा रहे हैं। शिविर के माध्यम से लोगों के राजस्व संबंधी समस्याओं का समाधान भी किया जा रहा है। आगे भी लगातार इस तरह के शिविर आयोजित किए जाएँगे। शिविर के नोडल अधिकारी और नायब तहसीलदार योपेंद्र पात्रे ने बताया कि शिविर के माध्यम से 114 नवीन आधार पंजीयन, 79 आधार अपडेशन , 93 नवीन आयुष्मान कार्ड और 12 परिवारों के राशन कार्ड बनाने आदेश पत्र जारी किए गए हैं।

संभाग स्तरीय बस्तर पंडुम-2025 की तैयारियां जोरो पर

कमिश्नर एवं आईजी ने बस्तर पंडुम की तैयारियों का किया अवलोकन और दिए आवश्यक निर्देश

हाई स्कूल ग्राउंड में होगा मुख्य आयोजन

दंतेवाड़ा, 30 मार्च (दण्डकारण्य समाचार)। जनजातीय विरासतों, कला एवं संस्कृति के धरोहरों का संरक्षण,संवर्धन और उन्हें एक नवीन मंच देने के उद्देश्य से जिला मुख्यालय के हाई स्कूल ग्राउंड में बस्तर पंडुम-2025 की तैयारियां पूरे जोरो पर इस क्रम में आज बस्तर कमिश्नर डोमन सिंह और आईजी सुंदरराज पी. ने आज अपने एक दिवसीय दंतेवाड़ा प्रवास के दौरान हाई स्कूल ग्राउंड में आयोजित आगामी होने वाले संभाग स्तरीय बस्तर पंडुम-2025 की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए और व्यवस्थाओं की समीक्षा की। कमिश्नर श्री सिंह ने कहा कि मुख्य अतिथि के आगमन से लेकर स्टॉल, पेयजल, टॉयलेट, सुरक्षा और अन्य बुनियादी सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को आयोजन स्थल पर सभी व्यवस्थाओं की निरंतर निगरानी रखने के निर्देश भी दिए। उन्होंने आगे कहा कि बस्तर पंडुम बस्तर क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक आयोजन है, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, कलाकार और प्रशासनिक अधिकारी होगे। इस उत्सव के माध्यम से बस्तर की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं को बढ़ावा दिया जायेगा।

इस मौके पर कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी द्वारा कमिश्नर एवं आईजी को कार्यक्रम की रूपरेखा के संबंध में विस्तार पूर्वक अवगत कराया। इसमें पार्किंग व्यवस्था, अति विशिष्ट अतिथियों के लिए सुरक्षा व्यवस्था, बाहर से आने वाले प्रतिभागियों के रहवास खान-पान के अलावा कार्यक्रम स्थल में विभागों द्वारा प्रदर्शित किये जाने वाले स्टालों के संयोजन जैसे विभिन्न बिन्दु शामिल रहें। इस दौरान पुलिस अधीक्षक श्री गौरव राय, जिला पंचायत सीईओ श्री जयंत नाहटा, अपर कलेक्टर श्री राजेश पात्रे, एडिशनल एसपी आर.के.बर्मन सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

ग्रामीणों को सीआरपीएफ ने बाटे रोजमर्रे के सामान, चेरपल्ली में रखा सिविक एक्शन कार्यक्रम

सामान पाकर ग्रामीणों के चेहरे खिले

भोपालपटनम 30 मार्च (दण्डकारण्य समाचार)। चेरपली सीआरपीएफ 22 बटालियन ने चेरपल्ली में सिविक एक्शन का कैम्प लगाकर ग्रामीणों को रोजमर्रे के जरुरी सामान बाटे गए।

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल छतीसगढ राज्य के विकास और नक्सल मुक्त अभियान का संचालन पूर्ण प्रतिबद्धता तथा समर्पण के साथ कई वर्षों से करती आ रही है। इसके साथ ही आम नागरिकों के प्रति मानवीय एवं संवेदनशील रवैया अपनाते हुए उनके दिलों को स्पर्श करने की भी मुहिम में जुटी हुई है। ऐसे ही एक अभियान के अंतर्गत पुलिस महानिरीक्षक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल छतीसगढ के निर्देशन में 22 वीं बटालियन ने गुरुवार को भोपालपटनम थाना अंतर्गत चेरपल्ली और मोदकपाल थाने के कंगोपल्ली में सिविक एक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया। 22 वीं बटालियन के कमाण्डेंट मोहित कपूर के कुशल नेतृत्व में संजीव कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी पंकज कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी विकास कुमार, सहा0 कमाण्डेंट, निरीक्षक जीडी डी0 संतोष कुमार, मोदकपाल थाना प्रभारी आकाश कुमार एवं भोपालपटनम थाना प्रभारी जीवन कुमार जांगड़े के द्वारा चेरपल्ली, दमपाया, रुद्रारम , गोरला, सेण्ड्रापल्ली, दुधेडा, मिनुर सहित कई गाँव के (पुरुष, महिला, बुजुर्गो और स्कुल के बच्चों को स्कूल ड्रेस, बैग, मनोरंजन का सामान व साईकिल वितरित किया गया। इसके आलावा आस-पास के ग्रामीणो को आम जरूरत का सामान जैसे साडी, चप्पल, लूंगी, गमछा कंबल घरेलू बर्तन, कुदाल, गैंती, पानी की टंकी, टेलीवीजन, सोलर लैंप आदि सामान वितरित किया गया। सिविक एक्सन प्रोग्राम में आये हुए सभी ग्रामीणों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई थी, साथ ही सिविक एक्सन प्रोग्राम के तहत मेडिकल कैंप का भी आयोजन किया गया, जिसमें डॉक्टर आशोक नारायण मुख्य चिकित्सा अधिकारी 22 वाहिनी द्वारा आस-पास के जरूरतमंद ग्रामीणों का चिकित्सीय परीक्षण करते हुए आवश्यक दवाएँ वितरित की गई। इस कार्यक्रम में गाँवों के सरपंच, थाना प्रभारी और 22 वीं वाहिनी के कम्पनी कमाण्डर उपस्थित रहे।

सामान पाकर ग्रामीणों के चेहरे खिले

खेल कुद, स्कुल ड्रेस बैग व स्टेशनरी का सामान पाकर जहाँ बच्चे काफी उत्साहित थे वही महिलाएं एवं बुजुर्गों के चेहरों पर भी संतोष तथा खुशी की लहर देखी गई। कार्यक्रम में आये सभी लोगों और जनप्रतिनिधियों ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल तथा 22 वीं वाहिनी के प्रति आभार जताया। उपस्थित अधिकारियों ने ग्रामीणों युवाओं को उनकी समस्याओं के समाधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर करते हुए इस महान बल का सदस्य बनने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

अबुझमाड़ क्षेत्र के बच्चों को कराया गया शैक्षणिक भ्रमण

कलेक्टर ने बच्चों से कहा आगे की पढ़ाई के लिए सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी

नारायणपुर, 30 मार्च (दण्डकारण्य समाचार)। जिले के अबुझमाड़ क्षेत्र के भूमकाल छात्रावास रेकावाया के बच्चों को कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं के मार्गदर्शन में दो दिवसीय भ्रमण कराया गया। इसका मुख्य उद्देश्य जिला प्रशासन द्वारा इस छात्रावास में अध्यनरत बच्चों को बाहरी दुनिया से परिचित कराना था ताकि वे मुख्य धारा से जुड़कर आगे का अध्यापन कार्य अच्छे से कर सकें।

जिला प्रशासन व्दारा बच्चों को शैक्षणिक भ्रमण कराया गया, ताकि बच्चों के मानसिकता में सकारात्मक सोच आ सके। वे मुख्य धारा में जुड़कर सामाजिक आर्थिक एवं मानसिक रूप से विकसित हो सकें और अपने जीवन को उज्ज्वल बना सकें। इन बच्चों को देखकर गांव के अन्य बच्चे भी स्कूल जाने के लिए प्रेरित हो सके। इन सभी बच्चों के अध्यापन के लिए डुंगा एवं रेकावाया में शिक्षा हेतु सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। रेकावाया आश्रम के बच्चों को दंतेवाड़ा के एजुकेशन हब जावंगा, दंतेवाड़ा के दंतेश्वरी मंदिर, दिव्यांग स्कूल सक्षम और अंग्रेजी माध्यम हायर सेकेंडरी स्कूल आस्था का भ्रमण कराया गया। दंतेवाड़ा के भ्रमण पश्चात् बच्चों को जगदलपुर में दंतेश्वरी मंदिर का दर्शन कराया गया। राजमहल का भ्रमण के दौरान राजपरिवार के सदस्य कमलचंद भंजदेव से बातचीत करवाया गया। उनके द्वारा राजतंत्र एवं बस्तर संस्कृति के बारे में रोचक जानकारी दी गई। जगदलपुर के पुरातात्विक संग्रहालय का भी अवलोकन कराया गया। उसके पश्चात चित्रकोट जलप्रपात का भ्रमण, आसना स्थित बस्तर अकादमी ऑफ डांस, आर्ट, लिटरेचर एंड लैंग्वेज संस्था का भ्रमण कराया गया। विश्रामगृह बादल में विश्राम के दौरान बच्चों ने गायन, संगीत, वादन का भी लुफ्त उठाया।भ्रमण के दौरान सहायक खंड शिक्षा अधिकारी ओरछा संतोष पात्र, बीआरसी लक्ष्मीकांत सिंह, सीएसी डुंगा राजू सलाम, बासिंग के प्रधान अध्यापक संतुराम नुरेटी, पिड़ियाकोट के अधीक्षक मानु कोर्राम, प्राथमिक शाला पुसालाभा के शिक्षक हेमा कश्यप, सरपंच डुंगा मड्डाराम नेताम, शिक्षक लालूराम, बस्सूराम आलामी, मंगेश नेताम सहित विद्यार्थीगण शामिल थे।

प्रेशर बम की चपेट में आकर ग्रामीण महिला घायल

बीजापुर, 30 मार्च (दण्डकारण्य समाचार)। माओवादियों के द्वारा लगाये गये प्रेशर ढ्वश्वष्ठ की चपेट में आने से 01 ग्रामीण महिला हुई गंभीर रूप से घायल घायल महिला बोड़गा गांव की निवासी है जो महुआ बिनने के लिये जंगल गई हुई थी। इन्द्रावती नदी पर ताड़ोपोट घाट पर बर्तन धोकर वापस जा रही थी, आज सुबह लगभग 06.30 बजे के आसपास माओवादियों के द्वारा लगाये गये प्रेशर ढ्वश्वष्ठ की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गई । घायल महिला के दोनो पैर में आई चोंट, बांया पैर घुटने से नीचे पूरी तरह से हुआ क्षतिग्रस्त।

वर्ष 2023-24 में भी माओवादियों के द्वारा लगाये गये ढ्वश्वष्ठ की चपेट में आने से बोड़गा के 02 मासूम बच्चों की मौत हो गई थी। घायल महिला को उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भैरमगढ़ में भर्ती किया गया है, समुचित उपचार हेतु मेडिकल कॉलेज जगदलपुर रिफर किया गया है।

कोंडागांव में बस्तर पण्डुम के जिला स्तरीय आयोजन का समापन

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को किया गया पुरस्कृत

कोंडागांव, 30 मार्च (दण्डकारण्य समाचार)। जनजातीय संस्कृतियों और परंपराओं से सजी बस्तर पण्डुम के जिला स्तरीय आयोजन का समापन आज स्थानीय जनप्रतिनिधियों और समाज के प्रमुखजनों की उपस्थिति में हुआ। कोंडागांव के स्थानीय ऑडिटोरियम में आयोजित इस दो दिवसीय कार्यक्रम में बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृतियों और परंपराओं को सभी विकासखंड से आए कलाकारों ने बहुत ही सुंदर प्रस्तुतियों के साथ प्रदर्शित किया। कार्यक्रम में केशकाल विकासखंड के प्रतिभागियों ने जनजातीय नाट्य विधा में बस्तर की लोक संस्कृति को दर्शाती आमा जोगानी त्योहार को बहुत ही सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया, वहीं फरसगांव विकासखंड के प्रतिभागियों ने धनकुल गीत के माध्यम से पुरातन वाद्य यंत्रों का प्रदर्शन किया। इसी तरह कोंडागांव विकासखंड के कलाकारों ने बस्तर के जनजातीय समाज के पारंपरिक परिधान और आभूषणों को दिखाया। साथ ही विलुप्त हो रहे वाद्य यंत्र विधा में कई वाद्य यंत्रों का स्थानीय बोली में परिचय के साथ प्रदर्शन किया गया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष नरपति पटेल ने कहा कि जनजातीय समाज में जन्म से लेकर मृत्यु तक हर अवसर में लोक संस्कृति की झलक दिखाई देती है। इस परंपरा और संस्कृति को संरक्षित करने के लिए राज्य शासन लगातार प्रयासरत है और इसके संरक्षण में युवा पीढ़ी की भागीदारी भी आवश्यक है।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष हीरा सिंह नेताम तथा नगर पालिका परिषद के उपाध्यक्ष जसकेतु उसेंडी ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की दूरदर्शी सोच के तहत बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से बस्तर पण्डुम का आयोजन किया जा रहा है।

समापन समारोह में जिला स्तरीय प्रतियोगिता में जनजातीय लोक नृत्य विधा में फरसगांव विकासखंड, पारंपरिक वेशभूषा एवं आभूषण, जनजातीय लोक गीत, लोक नाट्य और वाद्ययंत्र विधा में केशकाल, पेयपदार्थ एवं व्यंजन, शिल्पकला एवं चित्रकला विधा में कोंडागांव विकासखंड के उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों सहित एडीएम चित्रकांत चार्ली ठाकुर, समाज के प्रमुख, मांझी मेंबर, गायता पुजारी उपस्थित रहे।

इंडक्शन एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर कार्यशाला आयोजित

बीजापुर 30 मार्च (दण्डकारण्य समाचार)। शासकीय शहीद वेंकटराव स्नातकोत्तर महाविद्यालय बीजापुर में 26 मार्च को प्राचार्य डॉ. अमर सिंह साहू के मार्गदर्शन में ÷इंडक्शन एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर एक दिवसीय कार्यशाला÷ का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों को महाविद्यालय के विभिन्न विभागों से परिचित कराना और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत होने वाले बदलावों से अवगत कराना था।

कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य डॉ.अमर सिंह साहू के उद्बोधन से हुई। डॉ. साहू ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, 1986 के बाद शिक्षा के क्षेत्र में पहला बड़ा बदलाव है। यह नीति भारतीय शिक्षा प्रणाली में समग्र सुधार की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। उन्होंने कहा यह नीति छात्रों के समग्र विकास पर केंद्रित है, जिससे वे न केवल शैक्षिक बल्कि सामाजिक और मानसिक रूप से भी सक्षम बन सकेंगे साथ ही, उन्होंने यह भी बताया कि छम्च् 2020 के तहत छात्रों को तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास के व्यापक अवसर प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम दो सत्रों में आयोजित किया गया प्रथम सत्र इंडक्शन सत्र एवं द्वितीय सत्र राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर कार्यशाला था। प्रथम सत्र इंडक्शन सत्र में महाविद्यालय के सभी विभागों के फैकल्टी सदस्यों ने अपने-अपने विभागों का संक्षिप्त विवरण किया। इस सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को महाविद्यालय के विभिन्न विभागों और उनकी शैक्षिक गतिविधियों से परिचित प्रस्तुत कराना था। द्वितीय सत्र राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर कार्यशाला में दो भागों में चर्चा की गई। पहले भाग में किरण कुमार, सदस्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 कियान्वयन प्रकोष्ठ ने 2020 का परिचय दिया और इसके उद्देश्य एवं महत्त्व पर चर्चा की। उन्होंने फिल्म 3 इडियट्स का डायलॉग ज्ञान जहाँ से मिलता है, वहाँ से ले लो उद्धत करते हुए बताया कि 2020 छात्रों को विविध शैक्षिक और तकनीकी अवसरों के माध्यम से ज्ञान प्राप्त करने के अवसर प्रदान करती है। कार्यशाला के दूसरे भाग में 2020 तकनीकी सत्र हुआ, जिसमें श्री शौकीलाल चौहान, संयोजक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 कियान्वयन प्रकोष्ठ, ने 2020 के प्रमुख तकनीकी प्रावधानों पर प्रकाश डाला, जिसमें नए पाठ्यक्रम की संरचना,चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम और मल्टीडिसिप्लिनरी लर्निंग शामिल हैं। उन्होंने सिलेबस और पाठ्यक्रम में अंतर स्पष्ट किया और मूल्यांकन प्रक्रिया, लेटर ग्रेड, की गणना के बारे में विस्तार से बताया 2020 के तहत, मूल्यांकन अब निरंतर होगा, जिसमें उपस्थिति, प्रैक्टिकल, असाइनमेंट्स और सेमिनार्स शामिल होंगे। इसके साथ ही, शिक्षा प्रणाली लचीलापन लाया जाएगा, जिससे छात्रों को विभिन्न विषयों का चयन करने का अवसर मिलेगा और यह नीति भारतीय शिक्षा प्रणाली को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने का उद्देश्य रखती है। कार्यक्रम के दौरान सभी विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों के शंकाओं का समाधान भी किया गया। विभिन्न मुद्दों पर उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए सभी को स्पष्ट जानकारी प्रदान की कार्यक्रम का सफल संचालन श्री चमरूराम जैन के द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में महाविद्यालय के समस्त विद्यार्थी और स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने ह्वश्वक्र 2020 के उद्देश्यों और इसके प्रभाव को समझने में मदद की और सभी के लिए यह एक शिक्षाप्रद अनुभव रहा।